अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा :छठीं – जैनागम स्तोक वारिधि (परीक्षा 07 जनवरी, 2018)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे। 3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	16	18	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) मिथ्यात्व मोहनीय कर्म का अधिकतम बंध है-

(क) 70 सागर (ख) 1000 सागर

(ग) 100 सागर (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(b) निम्न प्रकृति की उत्कृष्ट स्थिति विशुद्ध परिणामों में बंधती है-

(क) तिर्यंचायु (ख) मनुष्यायु

(ग) देवायु (घ) तीनों ही ( )

(c) 20 कोटाकोटि सागर का बन्ध होने पर अबाधाकाल होगा -

(क) 2000 महिना (ख) 2000 वर्ष

(ग) 2000 सागर (घ) कोई नहीं ( )

(d) आयु का बंध निम्न परिणामों में होता है-

(क) जघन्य (ख) उत्कृष्ट

(ग) मध्यम (घ) कोई नहीं ( )

(e) आयु बंध करने में काल लगता है-

(क) 1 मुहूर्त्त (ख) एक प्रहर

(ग) अन्तर्मुहूर्त्त (घ) कोई नहीं ( )

(f) प्रथम गुणस्थानवर्ती सन्नी जीव कम से कम बंध करता है-

(क) 1 सागर (ख) 25 सागर

(ग) 50 सागर (घ) अन्तःकोटाकोटि सागर ( )

(g) कांक्षा मोहनीय कर्म है-

(क) मिथ्यात्व मोहनीय (ख) समकित मोहनीय

(ग) मिश्र मोहनीय (घ) उर्पयुक्त सभी ( )

(h) 98 बोल की अल्पबहुत्व तभी संभव है, जब जीवों की संख्या हो-

(क) जघन्य (ख) मध्यम

(ग) उत्कृष्ट (घ) संख्या पर निर्भर नहीं ( )

(i) सबसे थोड़े हैं-

(क) नारकी (ख) तिर्यञ्च

(ग) मनुष्य (घ) देवता ( )

(j) कम से कम विरह सम्भव है-

(क) 1 माह का (ख) 2 माह का

(ग) 1 समय का (घ) अन्तर्मुहूर्त्त का ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) पन्नवणा सूत्र के 23वें पद में विरह द्वार का थोकड़ा है। ( )

(b) पृथ्वीकाय का जघन्य विरह 1 समय है। ( )

(c) चारों गतियों का उत्कृष्ट विरह 24 मुहूर्त्त है। ( )

(d) पूर्व दिशा भाव दिशा है। ( )

(e) पन्नवणा सूत्र के आधार से छः काय का थोकड़ा है। ( )

(f) 'अप्काय' ब्रह्म स्थावर है। ( )

(g) शिल्प स्थावर का स्वभाव कठोर है। ( )

(h) जंगमकाय का वर्ण नाना प्रकार का है। ( )

(i) सभी प्रकृतियों का जघन्य स्थिति बंध विशुद्ध परिणामों में होता है। ( )

(j) ईर्यापथिक सातावेदनीय का बंध सन्नी पंचेन्द्रिय ही करते हैं। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं कर्म बन्ध के पश्चात् फल नहीं देने की अवस्था हूँ। .....

(b) मैं पीला स्थावर हूँ। .....

(c) मेरी कुलकोड़ी 3 लाख हैं। .....

(d) मैं नाना प्रकार के आकार वाला स्थावर हूँ। .....

(e) मुझमें जीव उत्पन्न होते हैं। .....

(f) 98 बोल की अल्पबहुत्व में मेरा नम्बर 74वाँ है। .....

(g) 98 बोल की अल्पबहुत्व में मेरा नम्बर 92वाँ है। .....

(h) मेरा अधिकतम विरह 15 दिन है। .....

(i) मेरा अधिकतम विरह पल्योपम का संख्यातवाँ भाग है। .....

(j) मेरा अधिकतम विरह 100 अहोरात्रि है। .....

प्र.4 एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए। **8x2 = (16)**

(a) **पहली नरक में जीव के भेद 3 लिये हैं, क्यों ?**

.....

.....

(b) **98 बोल में से कोई दो अशाश्वत बोल लिखिए।**

.....

.....

(c) **45वें बोल में गुणस्थान, योग, उपयोग व लेश्या लिखिए।**

.....

.....

(d) **वासुदेव का जघन्य तथा उत्कृष्ट विरह लिखिए।**

.....

.....

(e) **9वें ग्रैवेयक का जघन्य तथा उत्कृष्ट विरह लिखिए।**

.....

.....

(f) **सन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय अपर्याप्त अवस्था में शाश्वत नहीं होते हैं ? क्यों ?**

.....

.....

(g) **छह माह का अधिकतम विरह किन-किनका है ?**

.....

.....

(h) **देवता की कुल योनि तथा कोड़ी लिखिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न जीवों के निम्न कर्मप्रकृति की बन्धने वाली जघन्य तथा उत्कृष्ट स्थिति लिखिए। 6x3=(18)

(a) **एकेन्द्रिय - असातावेदनीय**

.....

.....

.....

(b) **बेइेन्द्रिय - मनुष्य गति**

.....

.....

.....

(c) **तेइन्द्रिय - सूक्ष्म नामकर्म**

.....

.....

.....

(d) **चउरिन्द्रिय - कालावर्ण नामकर्म**

.....

.....

.....

(e) **संज्ञी पंचेन्द्रिय - संज्वलन लोभ**

.....

.....

.....

(f) **समुच्चय जीव - यशःकीर्ति नामकर्म**

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पक्ति में लिखिए : -(कोई 9) **9x4=(36)**

(a) **एकेन्द्रिय से पंचेन्द्रिय तक मिथ्यात्व मोहनीय का उत्कृष्ट स्थिति बंध लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **असन्नी पंचेन्द्रिय के 6 संस्थान का उत्कृष्ट स्थिति बंध लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **मनुष्य के चारों आयु का जघन्य तथा उत्कृष्ट स्थिति बंध लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **98 बोल प्रथम तीन बोलों में योग व उपयोग लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(e) **98 बोल में से बोल 32 से 37 तक के बासठिये को खुलासा लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **98 बोल में बोल 53 से 58 तक के बासठिये को खुलासा लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **98 बोल में 3 उपयोग वाले कोई छह बोल लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(h) **98 बोल में 4 लेश्या वाले कोई छह बोल लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(i) **तिर्यंच पंचेन्द्रिय किस दिशा में न्यूनाधिक है ? कारण सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(j) **मनुष्य किस दिशा में न्यूनाधिक है ? कारण सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....